[Secretary)

assented to by the President since a report was last made to the House on the 3rd April, 1967:

(1) The Armed Forces (Special Powers) Continuance Bill, 1967.

(2) The Representation of the People (Amendment) Bill, 1967.

(3) The Land Acquisition (Amendment and Validation) Bill, 1967.

(4) The Essential Commodities (Amendment) Bill, 1967.

12.-34 hrs.

COMMITTEE ON PRIVATE MEMBERS' BILLS AND RESOLUTIONS

First Report

Shri Khadilkar (Khed): I beg to present the First Report of the Committee on Private Members' Bills and Resolutions.

12.42 hrs.

STATEMENT ON UK'S RENEWED APPLICATION FOR ENTRY INTO ECM.

The Minister of Commerce (Shri Dinesh Singh): Sir, hon. Members would have known from recent announcements that the British Government have made an application on the 11th May, 1967 for admission of the United Kingdom to the European Economic Community....

Shri Nath Pai (Rajapur): We have studied the statement and we are ready with questions.

Shri Ranga (Srikakulam): We did not know that this was being placed somewhere and we had to go there and get it.

Shrimati Tarkeshwari Sinha (Barh): I have not got it.

Mr. Speaker: I am told it has been circulated. Then, he may lay it on the Table of the House.

Shri Dinesh Singh: I have no objection. I lay on the Table [*Placed in Library. See* No. LT-340/67].

Shri Nath Pai: Are you ready to answer?

Shri Dinesh Singh: Yes.

श्री मधु लिमये (मुंगेर) : अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने साझा बाजार में अंग्रेजों ने प्रवेश पाने के लिए जो अर्जी दी है उसका हिन्दुस्तान के व्यापार पर क्या असर पड़ने वाला है उस को लेकर यह बयान दिया है। 21 साल की उम्र होने पर कोई भी व्यक्ति बालिग हो जाता है, अब स्वतन्त्रता के बाद करीब करीब 21 साल हो रहे हैं, मेरी समझ में नहीं आ रहा है कि हमारी सरकार कब बालिग होने वाली है ? इसमें जो विचारधारा है, वही राष्ट्रमंडल के मुर्दे को गले लगाने की विचारधारा है, वही अंग्रेजों के साथ जो पुराने व्यापारी रिश्ते थे, उनको बनाये रखने की विचारधारा है। यूरोप में और दुनिया में जो बड़े बड़े परिवर्तन आये हैं, उनके अनुकूल अपनी नीति को बनाने की इसमें इच्छा नहीं दिखाई दे रही है।

मैं यह जानना चाहता हूं कि अपने निर्यात व्यापार के मामले में जो हम अंग्रेजों पर ज्यादा मुनहसिर रहते हैं, उसको कम करने के लिये तथा दूसरे देशों के साथ व्यापार बढ़ाने के लिए सरकार क्या ठोस कदम उठाने जा रही है ? आज जब कि फ्रांस के अध्यक्ष जेनरल डिगाल साहब ने स्टर्लिंग के बारे में कुछ आक्षेप उठाये हैं, फिर भी हम लोग स्टर्लिंग एरिया के सदस्य हैं। अतः मंत्री महोदय इस बात का खुलासा करें कि कौमन मारकेट के साथ व्यापार बढ़ाने के लिये किस तरह की कार्यवाही की जा रही है। जो बातचीत होने वाली है, उसका नेतृत्व कौन करने वाले हैं और अंग्रेजों के ऊपर हर मामले में